Pusa Road, Sokhodeora and Rupauli Bhawanipur in Bihar, and

Sewapuri in Uttar Pradesh.

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: May I know whether this Committee has been set up under the instructions of the Central Government?

SHRI B. S. MURTHY: Yes.

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: May I know why only the members of the Sarva Sewa Sangh have been taken and not others besides these people?

SHRI B. S. MURTHY: This is a co-ordination committee to get into the working of the Bhoodan and Gramdan areas. The Bhoodan and Gramdan areas are only in the hands of the Akhil Bharat Sarva Sewa Sangh.

SHRI BHUPESH GUPTA; Does it mean that others are not capable of participating in co-ordination and that this representation slould be confined only to a particular organisation?

MR. CHAIRMAN: He will co-operate in everything. Do not bother.

SHRI BHUPESH GUPTA: I put it to the Government that this is a kind of political nepotism on the part of the Government that B.S.S. is taken there.

SHRI B. S. MURTHY: For the edification of my friend, Shri Gupta, 1 may say that in Madras, at Batla-gundu, we have a Committee in which all the voluntary organisations are represented.

दिल्ली डिवेलपमेन्ट अथारिटी में रुपये के गलत इस्तेमाल पर की गई कार्यवाही

*१४५. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या स्वास्थ्य मंत्री १९५८–५९ के वर्ष के लिये दिल्ली डिवेलपमेंट अथारिटी के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को देखेंगी और यह बताने की कृपा करेंगी कि दिल्ली डिवेलपमेंट अथारिटी के कार्यालय में रुपये का जो गबन और गलत इस्तेमाल हुआ तथा अन्य अनियमितताएं हुईं उनके संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

t [ACTION ON MISAPPROPRIATION orFUNDS IN THE DELHI DEVELOPMENTAUTHORITY

•145. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH ba pleased to refer to the Audit Report of the Accounts of the Delhi Development Authority for the year 1958-59 and state the details of the action so far taken in respect of the embezzlement and misappropriation of fund* and other irregularities committed in the office of the Delhi Development Authority?]

स्वास्थ्य मंत्री (डा० सुशीला नायर) : १९५८–५९ के वर्ष के लिये दिल्ली डिवेलपमेंट अथारिटी के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में उल्लिखित विभिन्न तथ्यों तथा अथारिटी द्वारा उन पर की गई कार्यवाही का एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ३८, अनुपत्र संख्या ८ ।]

f[THE MINISTER OF HEALTH (DR. SUSHILA NAYAR) : A statement,. showing the various points mentioned in Lhe Audit Report on the accounts of the Delhi Development Authority for the year 1958-59 and the action taken thereon by the Authority, is laid on the Table of the Sabha. *[See* Appendix XXXVIII, Annexure No. 81

श्री नवाबसिंह चौहान : यह जो रिपोर्ट सदन की मेज़ पर रखी गई है, इसको पढ़ने से ऐसा मालम पड़ता है कि लाखों रुपये का ग़बन और मिसऐप्रोप्रिएशन हुआ है । वह इसमें साफ तौर से कहा गया है :

"The misappropriation was facilitated by the failure of supervisoiy officers to observe any of the precautions clearly laid down in the Rehousing and Account Rules . . .**•

t[ ] English translation.

साथ ही साथ यह भी कहा गया है कि अभी इनके खिलाफ कोई डिसिप्लिनरी ऐक्शन नहीं लिया गया है । तो क्या मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि कलेक्टर्स वगैरा पर तो ऐक्शन ले लिया गया है, लेकिन जो सुपर्वाइजरी स्टाफ है उस पर ऐक्शन लेने में देरी करने का क्या कारण है ?

डा० सुशीला नायर : जी, लाखों रुपये का नुकसान तो नहीं हुआ है । ११,३७० रुपये का नुकसान हुआ और उसमें से ८,८५४ रु० किराया वसूल करने वालों ने खजाने में दाखिल नहीं किया । उसके अलावा थोड़ा सा, २,५१६ रु०. काउन्टरफौइल में ज्यादा दिखाया गया और किराया देने वाले को ज्यादा की रसीद दी गयी । तो उससे इतने पैसे का नुकसान हुआ । दोनों रन्ट कलेक्टर्स को पुलिस के हवाले किया गया और दोनों को सजा हो गयी । जो सुपरविजन करने वाले लोग थे उनके खिलाफ डिसिप्लिनरी ऐक्शन शुरू हो चुका है । उसमें देर इस कारण से हुई कि सब रिकार्ड पुलिस ले गयी थी और पुलिस से जब वे मांगे गये तो उन्होंने कहा कि वे तो अब कोर्ट के इविडेन्स के डाक्युमेन्ट्स हैं, वे नहीं मिल सकते । जितनी जल्दी वे इन से हासिल हो सके उतनी जल्दी उन पर डिपार्टमेंटल ऐक्शन शुरू कर दिया गया ।

श्री नवाबसिंह चौहान : इसी रिपोर्ट से ऐसा मालूम होता है कि ११,३७० रुपये का एक नुकसान हुआ है । इसके अलावा २७ हजार रुपये गायब थे जो बाद में जमा कर दिये गये । जहां तक पट्टे रेन्यु करने का सवाल है, वे रेन्यु नहीं किये गये और उनकी वजह से लाखों रुपये का हिसाब लगाया जा सकता है । इसको देखते हुए क्या मंत्री महोदया यह जरूरी नहीं समझतीं कि एक विशेष कमेटी इसकी जांच पड़ताल के लिए मुकर्रर की जाय ताकि ये जो तमाम गड़बड़ियां हैं वे निकल सकें ?

डा० सुशीला नायर : यह जो ११ हजार कुछ सौ रुपये का मिसएप्रोप्रिएशन था, उसके उपरांत २७,५०८ रुपये और १५ नये पैसे ट्रेजरी से गायब हुए । जो ट्रेजरर महोदय थे वे छुट्टी पर चले गये, जिस से केश का वेरिफिकेशन नहीं हुआ । उनकी छुट्टी के दिनों में ही शायद ऐसा हुआ होगा कि किसी ने चुप-चाप १६ हजार रुपये अथारिटी के नाम से स्टेट बैंक में दाखिल कर दिये और ११ हजार कुछ रुपये असिस्टेंट ट्रेजरर के पास भेज दिये गये । तो २७,५०८ रुपये और १५ नये पैसे पूरे के पूरे वसूल हो गये । लेकिन बीच में उसने जो गड़बड़ किया था, इस कारण से ट्रेजरर महोदय को अलहदा कर दिया गया और जो उनके असिस्टेंट थे जिनकी मदद से यह हुआ होगा, ऐसा माना जाता है, उनके ऊपर डिसिप्लिनरी कार्यवाही हो रही है । दूसरी जो गड़बड़ी सदस्य महोदय ने बताई कि जो प्लाटस अन-अथाराइज्ड अक्युपेशन में थे उनकी लीजेज वगैरा नहीं देखी गई, वे इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के जमाने से, सन् १९३५-३७ से चले आ रहे हैं, बाद में सन् १९५२ से वहां बैठने वालों से कुछ वसूली करना तय हुआ । उनमें कुछ डिसप्लेस्ड पर्सन्स थे, कुछ नान डिसप्लेस्ड पर्सन्स थे और दोनों को एक साथ रख दिया गया । फिर दोनों मंत्रालयों में कुछ विचार विनिमय वगैरा होता रहा । बहुत लम्बा चौड़ा सिलसिला चला । अब उस पर ऐक्शन हो रहा है और वसूली हो रही है । कुछ रुपया वसूल भी हुआ है, लेकिन क्या केसेज कोर्ट्स में ले जाये जा रहे हैं और डिसप्युट चल रहा है । इस सारे लम्बे प्रोसीजर के कारण उसमें देर लग रही है । अभी इस समय कोई नयी कमेटी की आवश्यकता तो महसूस नहीं हो रही है । अगर महसूस होगी, तो नयी कमेटी की भी नियुक्ति की जायगी ।

SHRI NIRANJAN SINGH: May I know whether the statement which is laid on the Table can be circulated to the Members, because it is a long statement and we cannot go through it now?

MR. CHAIRMAN: It is a long statement, a long question and a long answer.

DR. SUSHILA NAYAK: The statement is of 25 pages. Those hon. Members who wish to have it may let me know and I will supply it to them.

SHRI A. B. VAJPAYEE: That is a part of the audit report. There is no need to circulate the statement. All the facts are given in the audit report.

बिजली के अभाव में बिना चालू पड़े ट्यूबवेल

*१४६. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस समय दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के अभाव में कई ट्यूबवेल बिना चालू पड़े हुए हैं; और

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिए बिजली प्राप्त करने के हेतु क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

t [TUBE-WELLS LYING IDLE FOR WANT OF POWER SUPPLY

•146. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that at present many tube-wells are lying idle in the rural areas of Delhi for want of power supply; and

(b) if so, what efforts are being made for obtaining the power supply for this purpose?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री एस० के० पाटिल) : (क) जी, नहीं, दिल्ली प्रशासन को इस सम्बन्ध में कोई खबर नहीं है ।

(ख) प्रश्न नहीं होता ।

KTHE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI S. K. PATIL) : (a) No Sir, not as far as Delhi Administration is aware.

+ [ ] English translation.

(b) Does not arise.]

श्री नवाबसिंह चौहान : दिल्ली एड-मिनिस्ट्रेशन को तो इसका पता नहीं है लेकिन क्या कृषि मत्रालय को इसका पता है कि कुछ ट्यूबवेल्स ऐसे हैं जो कि कम से कम एक साल पहले के बने हुए हैं और काफी पैसा उनमें लगा है और अब भी वे बेकार पड़े हुए हैं क्योंकि उनको बिजली नहीं मिल रही है ?

श्री एस० के० पाटिल : हमें तो खबर नहीं हैं, दिल्ली प्रशासन से ही हमको खबर मिलती है ।

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या कृषि मंत्रालय ने दिल्ली कार्पोरेशन से भी कुछ मालम किया कि कार्पोरेशन का ७५-७६ हजार रुपया इन ट्यूबवेल्स के बनाने में लगा है ?

श्री एस० के० पाटिल : कुछ खबर नही है । दिल्ली में तो १५० ट्यूबवेल्स हैं और वे सारे चलते हैं, उसमें बिजली की कोई कमी नहीं है ।

AERONAUTICAL SOCIETY OF INDIA

*147. SHRI BIREN ROY; Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government have assessed the financial needs of the Aeronautical Society of India in res pect of the following:

(i) a well-equipped library of aero and astronautical technology books and periodicals;

(ii) library room and projections auditorium; and

(iii) administrative buildings; and

(b) how much land and finance have been sanctioned for this Society?